Result Mitra Daily Magazine

यूरोपीय संसद के चुनावो का परिणाम कैसे बदलेगा विश्व सहित एशिया का राजनीतिक रुझान

चर्चा में क्यों?

2024 के यूरोपीय संसद चुनावों का परिणाम आने वाले सप्ताहों में बहुत कुछ स्पष्ट हो जाएगा।

यूरोपीय संसद के बारे में

- यूरोपीय संघ (EU) से सबद्ध संस्था , जो यूरोपीय संघ के निर्णयों और नीतियों को लोकतांत्रिक वैधता प्रदान करती है।
- यूरोपीय संसद के सदस्यों का चुनाव: यूरोपीय संघ के 27 सदस्य देशों के नागरिकों द्वारा प्रत्यक्ष रूप से चुना जाता है।
- इन 27 में से 19 देश की आधिकारिक मुद्रा यूरो जबकि 8 अन्य सदस्य (बुल्गारिया, क्रोएशिया, चेक गणराज्य, डेनमार्क, हंगरी, पोलैंड, रोमानिया, स्वीडन) यूरो का उपयोग नहीं करते हैं।
- इस संसद में 720 सीटें हैं, जो समान आनुपातिक प्रणाली के माध्यम से आवंटित की जाती हैं।
- अर्थात छोटे सदस्य देश अपनी जनसंख्या के अनुपात में यूरोपीय संसद के सदस्यों का चुनाव करते हैं।
- इस वर्ष यूरोप भर में 180 मिलियन से ज़्यादा लोगों ने 6-9 जून को हुए चुनावों में मतदान किया।

यूरोपीय संसद चुनावों में निर्धारित पात्रता

आयु शर्तें:

- 21 सदस्य देशों में से कम से कम 18 वर्ष की आयु वाले किसी भी व्यक्ति के लिए मतदान खुला है।
- बेल्जियम, जर्मनी, ऑस्ट्रिया और माल्टा में कानूनी मतदान की आयु सोलह वर्ष है।
- ग्रीस में, चुनाव वर्ष के दौरान 17 वर्ष की आयु प्राप्त करने वाले किसी भी व्यक्ति के लिए मतदान खुला है।
- हंगरी में विवाहित लोग किसी भी उम्र में मतदान कर सकते हैं।

मतदान नियम:

- यूरोपीय संघ के नागरिक घरेलू और अंतरराष्ट्रीय दोनों स्तरों पर मतदान करने के हकदार हैं।
- स्लोवाकिया, माल्टा, आयरलैंड और चेकिया को छोड़कर सभी सदस्य देश विदेशी मतदाताओं को मतदान करने की अनुमति देते हैं।

Result Mitra

उम्मीदवारों की पात्रता:

- उम्मीदवारों को यूरोपीय संघ के सदस्य राज्य का नागरिक होना चाहिए।
- मतदाता व्यक्तिगत उम्मीदवारों या पार्टी सूचियों का चयन कर सकते हैं।
- यूरोपीय संसद के सदस्य राजनीतिक समूहों के साथ गठबंधन करते हैं।
- निर्वाचित यूरोपीय संसद सदस्य अन्य यूरोपीय संघ के पदों पर नहीं रह सकते।
- वे राष्ट्रीय सरकारों में भी पद नहीं रख सकते।

यूरोपीय संसद के चुनाव की महत्ता

- चुनाव संसद की संरचना तय करता है।
- संसद यूरोपीय संघ के कानून में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।
- यह यूरोपीय संघ के बजट को मंजूरी देती है और विधायी परिवर्तन करती है।
- यूरोपीय संसद अन्य यूरोपीय संघ संस्थानों की देखरेख भी करती है।
- चुनाव यूरोप के राजनीतिक माहौल को दर्शाता है।
- यह व्यापार, आव्रजन और पर्यावरण पर यूरोपीय संघ की नीतियों को प्रभावित करता है।

दक्षिणपंथी पार्टियों का बढ़ता महत्व

- **आर्थिक असंतोष**: पारंपरिक दलों को आर्थिक चुनौतियों, बेरोजगारी और मितव्ययिता उपायों के कारण असंतोष का सामना करना पड़ता है।

Result M

- **आव्रजन**: दक्षिणपंथी दलों को आप्रवासन और सांस्कृतिक एकीकरण पर चिंताओं के बीच सख्त आव्रजन नियंत्रण की वकालत करके समर्थन मिला है।
- **राष्ट्रीय संप्रभुता**: मतदाता अधिक राष्ट्रीय संप्रभुता की मांग करते हुए कथित यूरोपीय संघ के अतिक्रमण के खिलाफ़ आवाज़ उठाने लगे हैं।
- **पहचान की राजनीति**: बढ़ती राष्ट्रवादी भावनाओं से बहुसंस्कृतिवाद के बजाय राष्ट्रीय पहचान पर ज़ोर देने वाली पार्टियों के लिए समर्थन बढ़ा है।

यूरोपीय संसद के चुनाव परिणामों का प्रभाव

- दक्षिण-पूर्व एशिया, यूरोपीय संघ के साथ तेजी से जुड़ रहा है।
- अब यूरोपीय ब्लॉक को अपने क्षेत्रीय गठबंधन का "रणनीतिक साझेदार" मानता है।
- यूरोप की हरित नीतियाँ दक्षिण-पूर्व एशिया के पर्यावरण प्रयासों और व्यापार में इसकी भूमिका को कमज़ोर कर सकती हैं।
- दक्षिणपंथी पार्टी की जीत यूरोपीय संघ में रूढ़िवादी नीतियों को बढ़ावा दे सकती है।
- दक्षिणपंथी अक्सर सख्त आव्रजन नियमों का समर्थन करते हैं और राष्ट्रीय संप्रभुता को प्राथमिकता देते हैं।
- यूरोपीय संसद का स्वरूप व्यापक यूरोपीय राजनीति को दर्शाता है।
- यह आव्रजन और राष्ट्रीय पहचान के बारे में चिंताओं को दर्शाता है।
- चुनाव के नतीजे यूरोप में सरकारों को हिला सकते हैं।
- उदाहरण के लिए, इमैनुएल मैक्रोन जैसे नेता स्थानीय समर्थन हासिल करने के लिए यूरोपीय संघ के खराब चुनाव परिणामों के बाद समय से पहले चुनाव की घोषणा कर सकते हैं।

दक्षिण-पूर्व एशिया की ओर झुकाव

- दक्षिण-पूर्व एशिया हरित नीतियों के लिए यूरोपीय संघ के वित्तपोषण पर अधिक निर्भर करता है।
- वियतनाम और इंडोनेशिया 'जस्ट एनर्जी ट्रांजिशन' योजनाओं में शामिल हुए।
- यूरोपीय संघ सहित G-7 के नेतृत्व वाली यह योजना हरित परियोजनाओं के लिए 20 बिलियन यूरो से अधिक की पेशकश करती है।
- उर्सुला वॉन डेर लेयेन (2019 से यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष) के अनुसार , यूरोपीय संघ ग्रीन डील को बढ़ावा देता है।
- यह फिलीपीन जलवायु परियोजनाओं के लिए सहायता को भी बढ़ाता है।
- लेकिन, मलेशिया और इंडोनेशिया पाम ऑयल आयात में कटौती करने की यूरोपीय संघ की योजनाओं का विरोध करते हैं।
- यदि वॉन डेर लेयेन फिर से चुनाव के लिए हरित दलों के साथ मिलकर काम करती हैं, तो दक्षिण-पूर्व एशिया में हरित पहल तेज हो सकती है।
- हालांकि, उनकी पार्टी ग्रीन्स-ईएफए को असफलताओं का सामना करना पड़ रहा है,
- यदि ईसीआर समर्थित गुट सत्ता संभालता है, तो हरित नीतियों को नुकसान हो सकता है।
- इससे यूरोपीय संघ-दक्षिण-पूर्व एशिया के संबंध, विशेष रूप से व्यापार और पर्यावरण सहयोग के संबंध बदल सकते हैं।

Result Mitra